समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

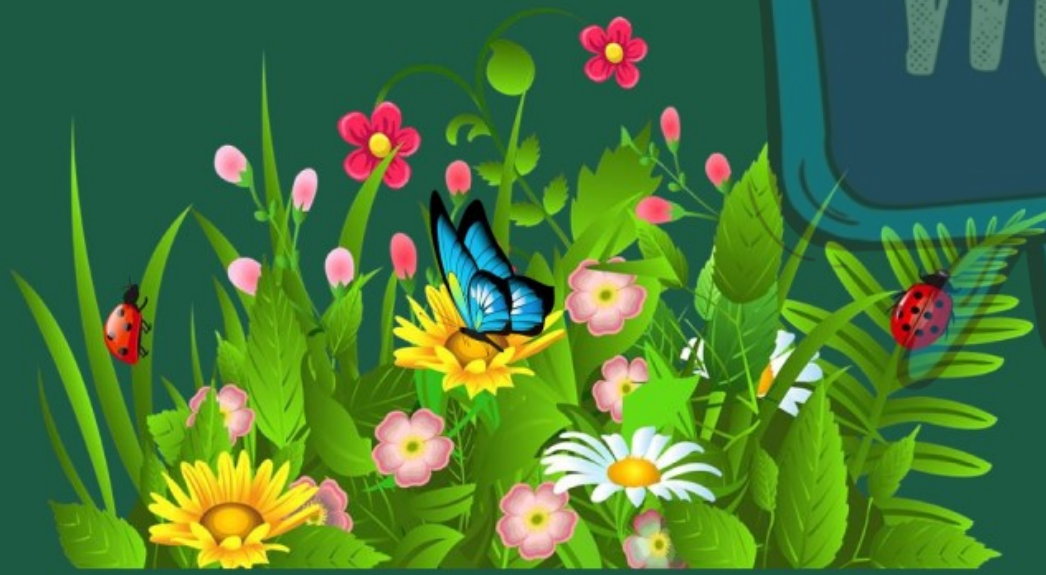
अध्याय – 5

जीना-जिलाना मत भूलना

भाग – 2

अभ्यास-प्रश्न

मिताली कुमारी



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) तरह-तरह के पक्षी हमसे क्या कहते हैं ?

उत्तर : तरह-तरह के पक्षी हमें यह कहती है कि हमें एक दूसरे के साथ मीठी-मीठी बातें करना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) रंग-बिरंगे फूल हमें क्या बताते हैं ?

उत्तर : रंग-बिरंगे फूल हमें प्यार बांटने को कहते हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) हमारे लिए भौंरों का संदेश क्या है ?

उत्तर : हमारे लिए भौंरों का संदेश है कि हमें एक दूसरे के साथ गले लगाकर मिलजुल कर रहना चाहिए।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) बढ़ती हुई नदियाँ हमें कौन-सा उपदेश देती हैं?

उत्तर : बढ़ती हुई नदियाँ हमें जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने की उपदेश देती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) 'जीना-जिलाना मत भूलना' नामक कविता के कवि कौन हैं?

उत्तर : जीना जिलाना मत भूलना नामक कविता के कवि 'डॉ. अच्छुत शर्मा' जी है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. सोचो और संक्षेप में उत्तर दो —

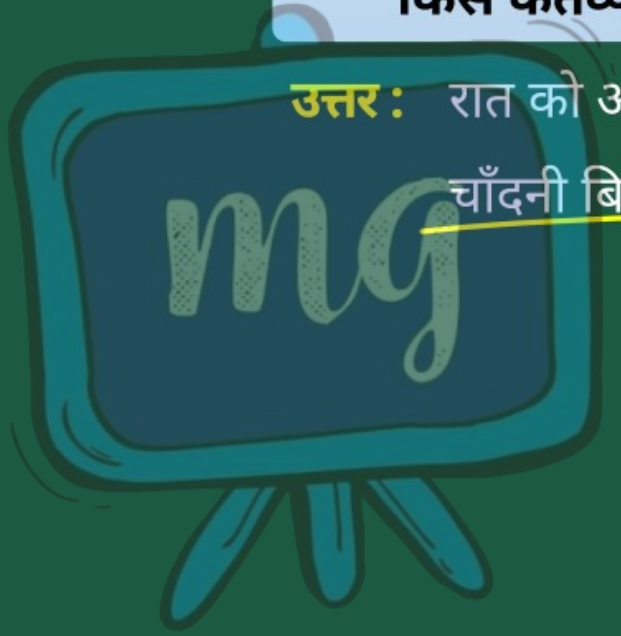
(क) सवेरे पूर्व दिशा में उदित होकर सूर्य हमें क्या करने के लिए कहता है ?

उत्तर : सवेरे पूर्व दिशा में उदित होकर सूर्य हमे रोशनी फेलानेको कहती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) रात को आकाश में चमक-चमक कर चाँद हमें किस कर्तव्य की याद दिलाता है ?



उत्तर : रात को आकाश में चम-चमक कर चाँद हमें चाँदनी बिखेरने का कर्तव्य की याद दिलाती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) हरे-भरे पेड़-पौधे हमें क्या संदेश देते हैं ?

उत्तर : हरे-भरे पेड़-पौधे हमें छाँव देने का संदेश देते है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) बहती हुई हवाएँ हमें क्या करने को कहती हैं ?

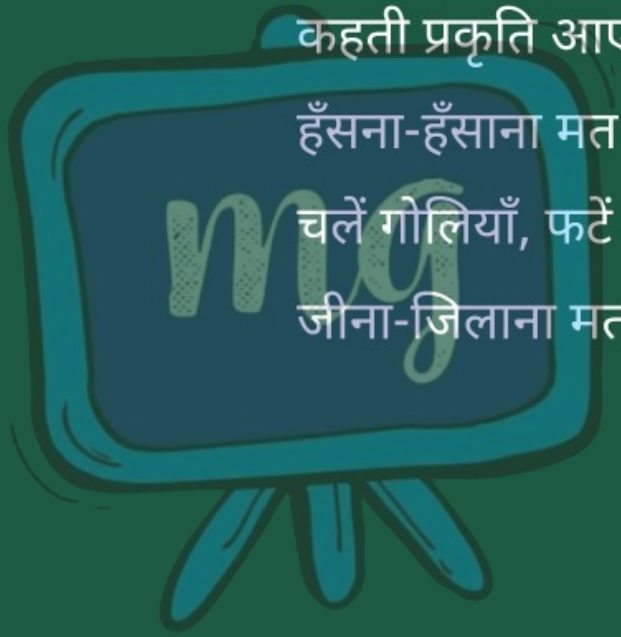
उत्तर : बहती हुई हवाएँ हमे जिंदगी देने को कहती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो—



कहती प्रकृति आए विपत्ति
हँसना-हँसाना मत भूलना,
चलें गोलियाँ, फटें गोले
जीना-जिलाना मत भूलना।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तर : इस पंक्ति में प्रकृति कहती है कि हमारे जीवन में जितने भी विपत्ति या आपदा आए उस स्थिति में खुद हँस्ते रहना है और दूसरों को भी हँसाना है। चाहे जीवन में जितने भी संकट क्यों ना आए उस परिस्थिति में स्वयं भी जिएँ और दूसरों को भी जीने में मदद पहुँचाएँ। अर्थात बुरे वक्त में एक दूसरे का सहायक बने।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. 'जीना-जिलाना मत भूलना' कविता का मूल भाव स्पष्ट करो।

उत्तर : 'जीना-जिलाना मत भूलना' कविता नामक के कवि डॉ.अच्युत शर्मा है। इस कविता से हमें यह सिख मिलती है की हमें हमेशा हस्ते रहना चाहिए और दुसरो को भी हसना है क्योंकि हमेशा एक दूसरे के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। यह जीवन में जितने भी संकट क्यों ना आए उस परिस्थिति में भी स्वयं भी जिएँ और एक दुसरो को हमेशा मदद करे । यह जीवन में हमें हमेशा एक दूसरे के साथ खड़े रहना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा-अध्ययन —

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो —

सवेरा — सुबह, प्रभात

सूरज — सूर्य, रवि

चाँद — चँदा, चाँदनी

पेड़ — वृक्ष, तरु

पक्षी — पंछी, चिड़िया

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



फूल — पुष्प, कुसुम

भौंरा — भ्रमर, मधुप

नदी — नटिनी, सरिता

हवा — पवन,वायु

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. वाक्य में प्रयोग करो —

चमक-चमक कर,

- चंद्रमा रात के अंधेरे में चमक चमक कर अपने चाँदनी बिखेर रहा था।

चहक चहक कर,

- पक्षी हर सुबह चहक–चहक कर मीठे धुन गुनगुनाती है।

खिल-खिल कर,

- फूल हमें खिल–खिल कर प्यार बाँटती है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

हिल-मिल कर

➤ हम दोस्तो से हिल-मिल कर गले लगते है ।

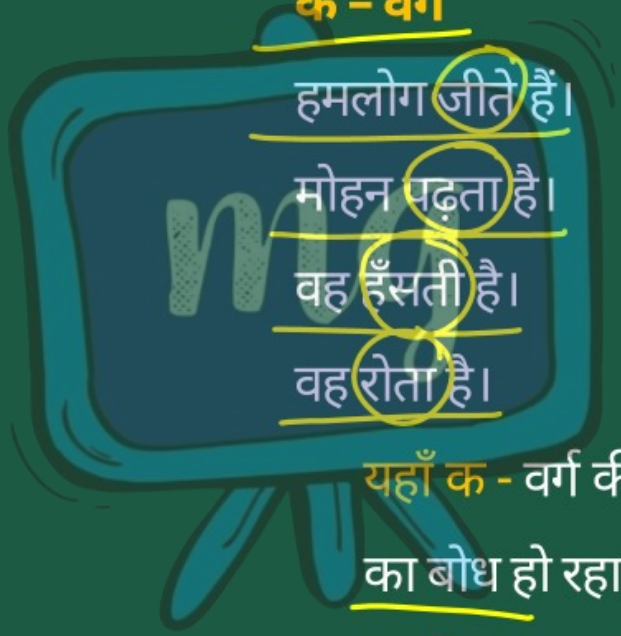


समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित वाक्यों पर ध्यान दें —

क – वर्ग	ख - वर्ग
हमलोग जीते हैं।	हमलोग जिलाते हैं।
मोहन पढ़ता है।	मोहन पढ़ाता है।
वह हँसती है।	वह हँसाती है।
वह रोता है।	वह रुलाता है।



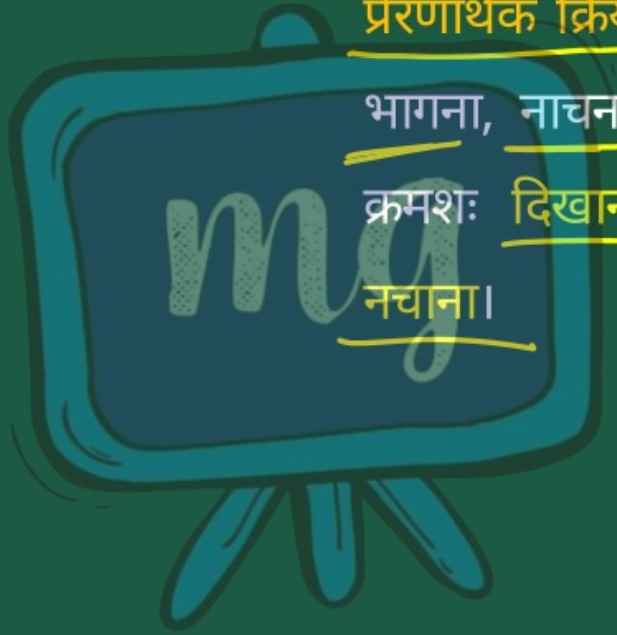
यहाँ क - वर्ग की रेखांकित क्रियाओं से स्वयं कुछ करने का बोध हो रहा है,

जबकि ख - वर्ग की रेखांकित क्रियाओं से दूसरों को कुछ करने हेतु प्रेरित करने का भाव प्रकट हो रहा है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्रेरणा देने का बोध कराने वाली ऐसी क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। देखना, सीखना, लिखना, भागना, नाचना इन क्रियाओं के प्रेरणार्थक रूप हैं क्रमशः दिखाना, सिखाना, लिखाना, भगाना और नचाना।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. निम्नलिखित वाक्यों पर ध्यान दें —

तुम लोगों ने 'जीना-जिलाना मत भूलना' कविता को पढ़ते समय स्थान-स्थान पर 'भूलना' क्रिया-रूप के प्रयोग पर जरूर ध्यान दिया होगा- 'रोशनी फैलाना मत भूलना', 'छाँव देना मत भूलना', 'हँसना-हँसाना मत भूलना' आदि। यहाँ परोक्ष रूप से अनुज्ञा (आज्ञा, अनुरोध आदि) का बोध हो रहा है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

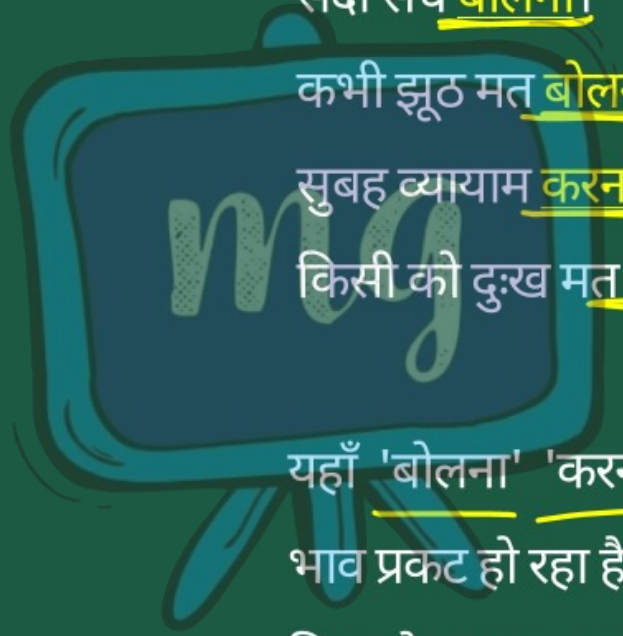
कुछ वाक्य लेते हैं —

सदा सच बोलना।

कभी झूठ मत बोलना।

सुबह व्यायाम करना।

किसी को दुःख मत देना।



यहाँ 'बोलना' 'करना' और 'देना' क्रियाओं से अनुज्ञा का भाव प्रकट हो रहा है। इन्हें क्रिया का अनुज्ञा रूप कहते हैं। क्रिया के अनुज्ञा रूप और हैं। :

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कुछ वाक्य लेते हैं —

तू बाजार जा।

तुम बाजार जाओ।

आप बाजार जाइए।

तू खाना खा।

तुम खाना खाओ।

आप खाना खाइए।

यहाँ जा - जाओ - जाइए और खा - खाओ - खाइए इन क्रिया-रूपों के जरिए प्रत्यक्ष रूप से अनुज्ञा का भाव व्यक्त हो रहा है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. निम्नांकित वाक्यों को ध्यान से पढ़ें और समझें—

सवेरे उगकर सूरज कहता है।

खिल-खिल कर फूल कहते हैं।

बढ़ती हुई नदियाँ कहती हैं।

इन वाक्यों के रेखांकित क्रिया-पदों से वर्तमान समय में नियमित रूप से किसी काम के होने का भाव प्रकट हो रहा है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कुछ वाक्य लेते हैं —

लड़का स्कूल जाता है।	लड़की स्कूल जाती है।
लड़का स्कूल जा रहा है।	लड़की स्कूल जा रही है।
लड़का स्कूल जाता होगा।	लड़की स्कूल जाती होगी।

वाक्यों के रेखांकित क्रिया-पदों से वर्तमान समय में कुछ होने का बोध हो रहा है।

अतः ये वर्तमान काल के क्रिया-पद हैं।

वर्तमान काल क्रिया-व्यापार की निरंतरता को सूचित करता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

इसके तीन भेद हैं —

1. सामान्य वर्तमान काल
2. तात्कालिक वर्तमान काल
3. संदिग्ध वर्तमान काल।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- पूर्वोक्त वाक्यों में 'जाता है' और 'जाती है' क्रिया-पदों से वर्तमान समय में नियमित रूप से कार्यों के घटित होने का बोध हो रहा है।
- अतः ये सामान्य वर्तमान काल के क्रिया-पद हैं।

- 'जा रहा है' और 'जा रही है' क्रिया-पदों से वर्तमान समय में क्रिया-व्यापारों के जारी रहने का भाव स्पष्ट है। ये तात्कालिक वर्तमान काल के क्रिया-पद हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- 'जाता होगा' और 'जाती होगी' से वर्तमान समय में क्रिया-व्यापार के घटित होने में संदेह का भाव व्यक्त हो रहा है।
- अतः ये संदिग्ध वर्तमान काल के क्रिया-पद हैं।

